● **अनुलेखन करो :**

१५. ज्ञानी

(बंडूभाऊ और सुदामा का परिवार आमने-सामने रहता है । दोनों के बच्चे आपस में साथ-साथ हँसते-खेलते हैं । दोनों परिवार एक-दूसरे के सुख-दुख में सहभागी होते हैं । दोनों की मातृभाषा भिन्न है । इसके चलते एक ही शब्द के दोनों भाषाओं में अलग-अलग अर्थ होने के कारण कई बार उनके बीच मनोरंजक स्थिति बन जाती है । ऐसी ही स्थिति आज भी बनी ।)

बंडूभाऊ – मना करने के बाद भी बच्चे बरसात में भीग रहे हैं । अंदर बुलाकर उन्हें शिक्षा दो ।

सुदामा – अरे बंडूभाऊ मैं क्यों शिक्षा दूँ ? शिक्षा तो उन्हें विद्‌यालय में मिल जाती है ।

बंडूभाऊ – तो क्या बच्चे ऐसे ही भीगते रहेंगे ?

सुदामा – बच्चे तो बंदर होते हैं । इसलिए खेलते ही रहेंगे ।

बंडूभाऊ – लेकिन जब आसपास कहीं समुद्र नहीं है तो बच्चे बंदर पर कैसे जाएँगे ?

सुदामा – अच्छा, जरा बैठो । मैं भीगा हुआ ऊन का स्वेटर सुखाने के लिए फैला आता हूँ ।

बंडूभाऊ – तुम ऊन के स्वेटर को ऊन में कैसे सुखा सकते हो ?

सुदामा – अच्छा यह सब छोड़ो, बेटी को खत भेजा कि नहीं ?

बंडूभाऊ – अरे सुदामा ! खत तो खेत में डालते हैं, बेटी को क्यों भेजें ?

यदि वे दोनों हिंदी और मराठी भाषाएँ समझते तो शायद यह स्थिति नहीं बनती । इसलिए कहते हैं कि जो जितनी अधिक भाषाएँ सीखता है, उसका ज्ञान उतना ही बढ़ता है ।

पढ़ो, समझो और लिखो :

हिंदी अर्थ	समोच्चारित शब्द	मराठी अर्थ
पढ़ाई ←	शिक्षा	→ दंड
वानर ←	बंदर	→ बंदरगाह
ऊन ←	ऊन	→ धूप

हिंदी अर्थ	समोच्चारित शब्द	मराठी अर्थ
पत्र ←	खत	→ खाद
घास ←	घास	→ निवाला
ठंडी ←	जाड़ा	→ मोटा

❑ विद्‌यार्थियों से मुखर वाचन करवाएँ । पाठ में आए आमने-सामने जैसे शब्द युग्म, हिंदी और मराठी में समोच्चारित भिन्नार्थी तथा समानार्थी शब्दों पर चर्चा करें । लेखन में विरामचिह्नों के प्रयोग हेतु प्रोत्साहित करें । छोटे परिवार के महत्त्व को समझाएँ ।